# Rhymes

C

## TWO IN ONE RHYMES

*Written by:-*
*Anjali*

# MARY HAD A LITTLE LAMB

Mary had a little lamb,
Its fleece was white as snow,
And everywhere that Mary went,
The lamb was sure to go.
It followed her to school one day,
Which was against the rule;
It made the children laugh and play,
To see a lamb at school.

# Little Miss Muffet

Little Miss Muffet
Sat on a tuffet
Eating her curds and whey;
There came a big spider,
And sad down beside her
And frightened Miss Muffet away.

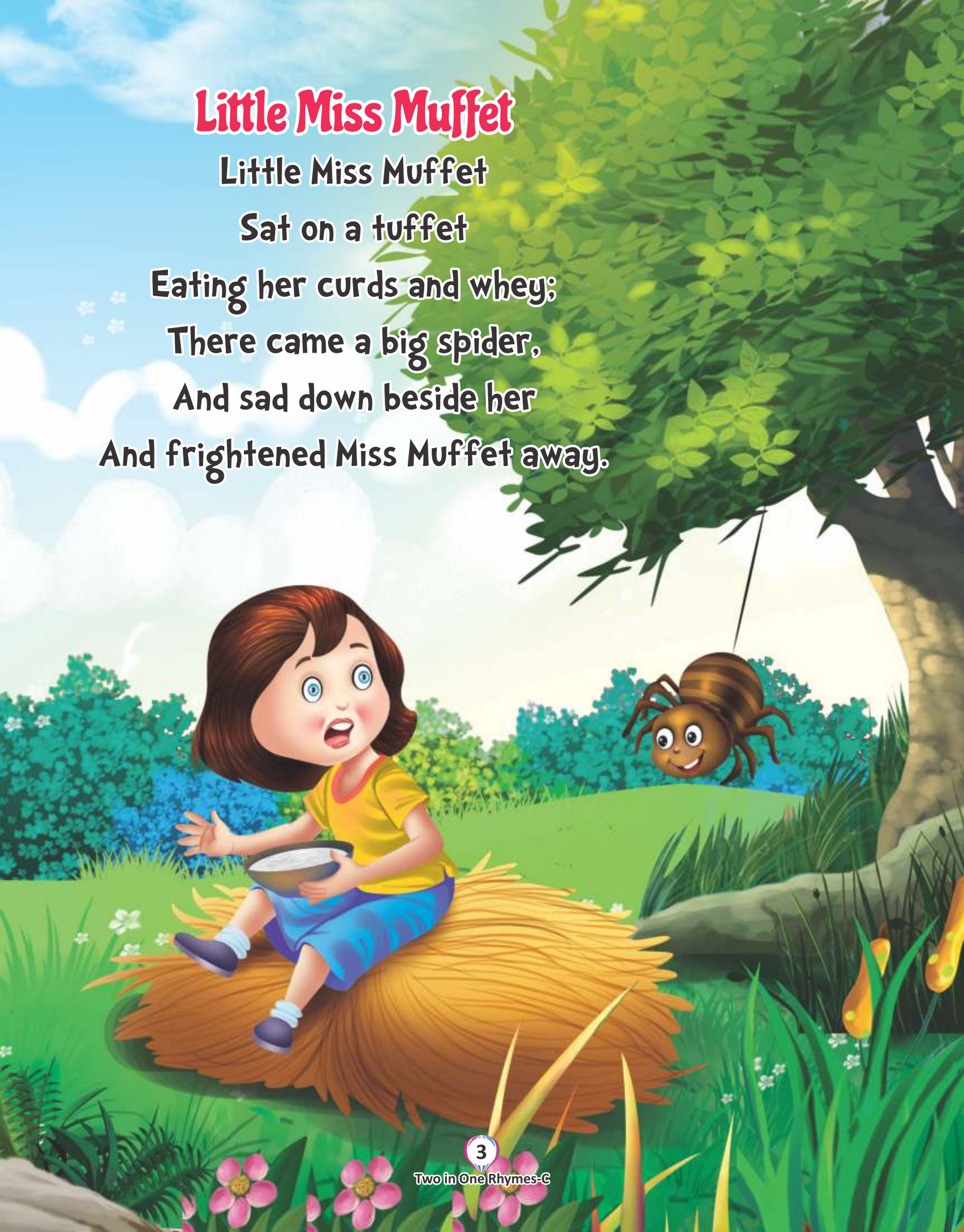

# DOWN BY THE STATION

Down by the station,
Early in the morning
See all the trains there,
Standing in a row.
The guard waves his flag now,
And blows his little whistle,
Everyone inside now,
Off we go.

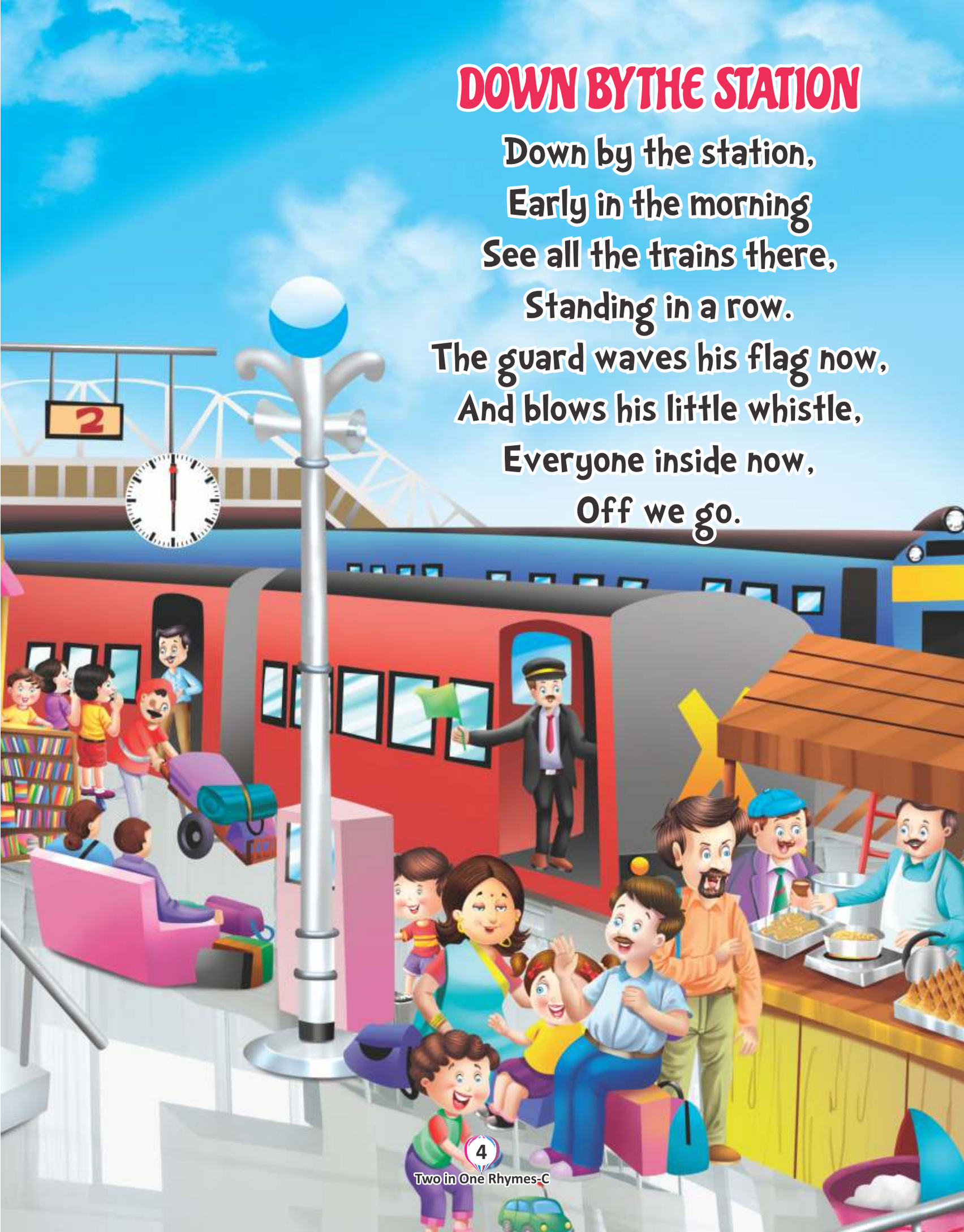

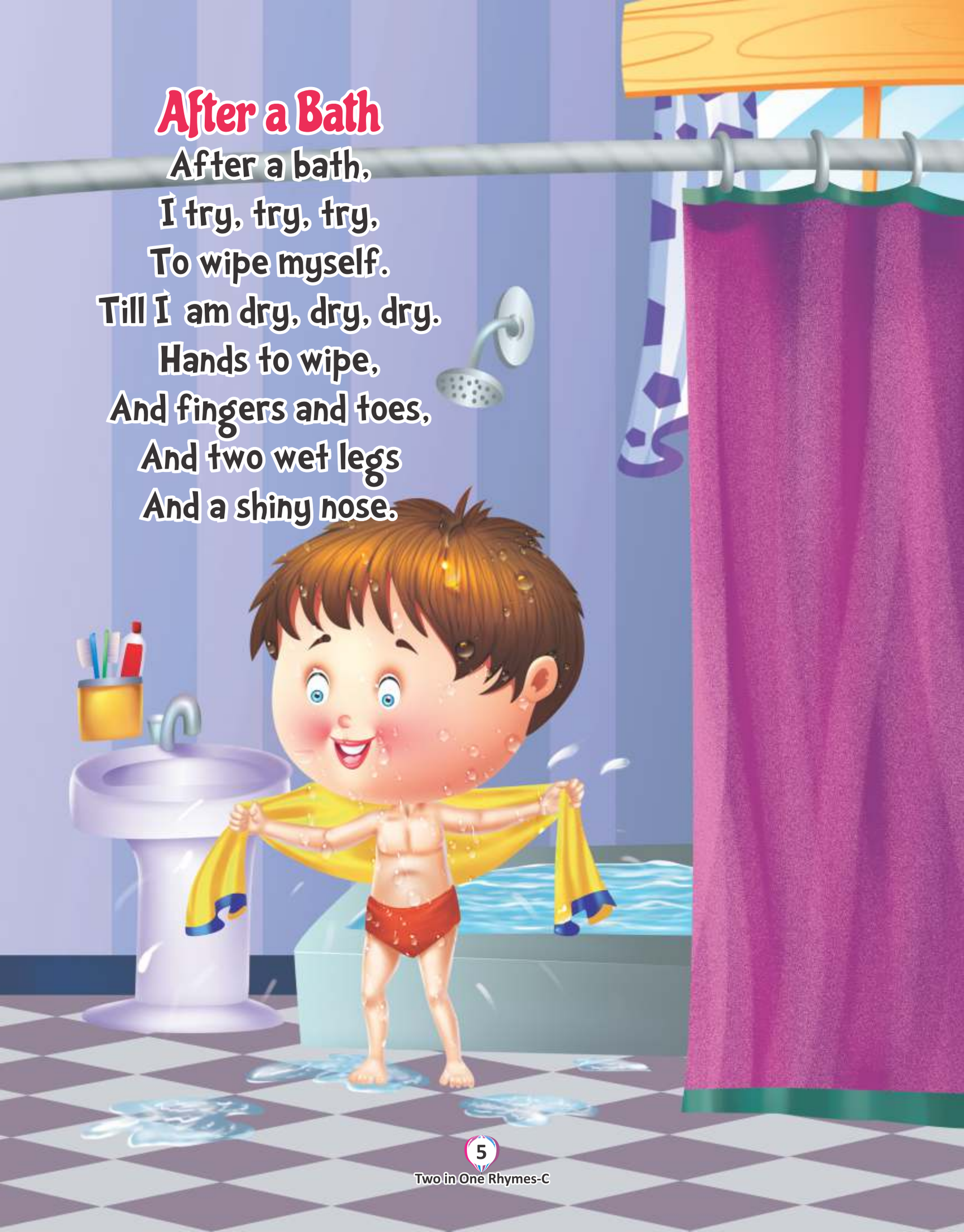

# After a Bath

After a bath,
I try, try, try,
To wipe myself.
Till I am dry, dry, dry.
Hands to wipe,
And fingers and toes,
And two wet legs
And a shiny nose.

# We Willie Winkie

We Willie Winkie,
Runs through the town.
Upstairs and downstairs,
In his night gown.
Knocking at the window,
Crying through the lock.
Are the children in their beds,
For now it's eight O'clock?

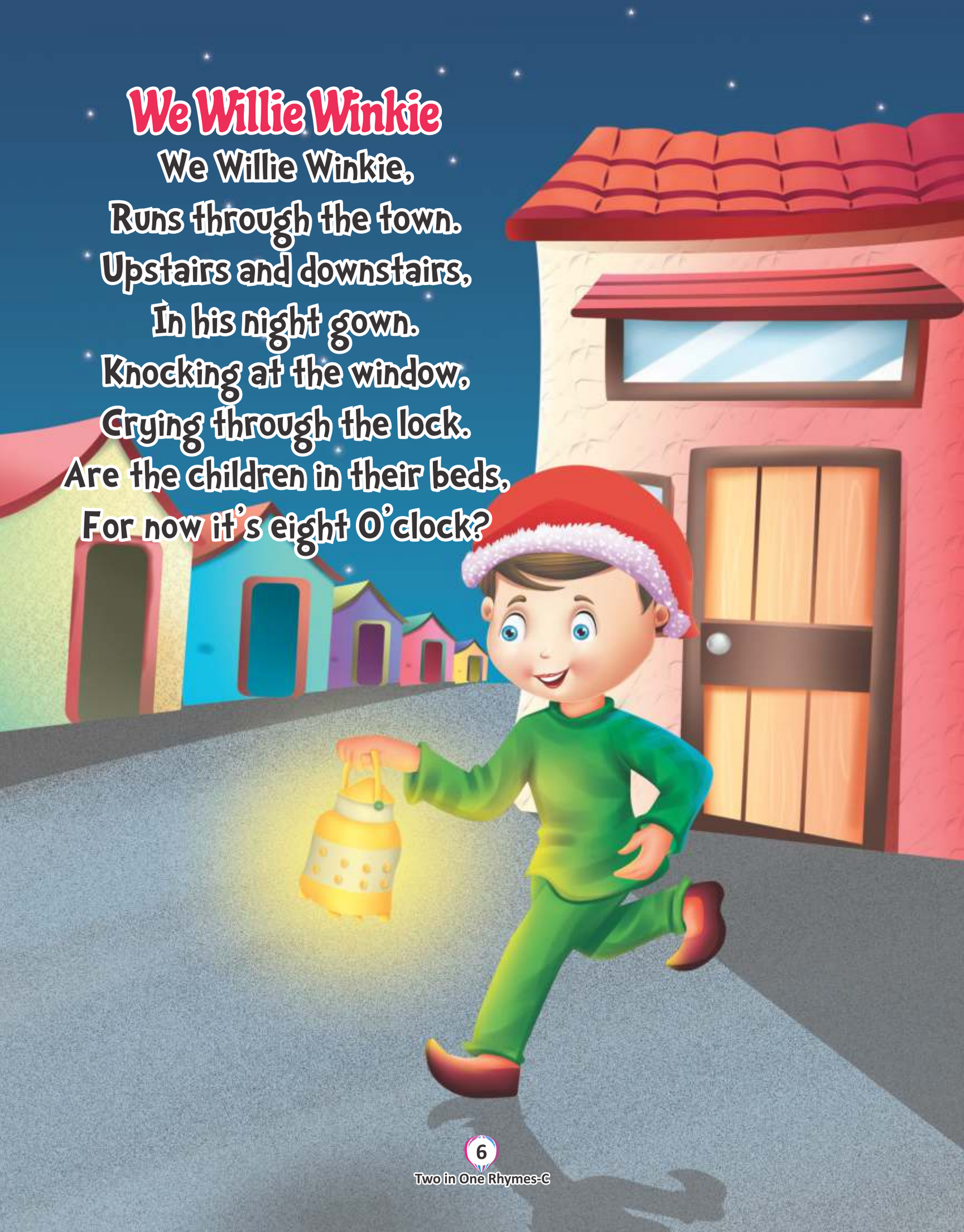

# LADYBIRD

Ladybird, ladybird,
Fly away home.
Your house is on fire,
And your children all gone.
All except one,
And that little Ann.
And she crept under,
The warming pan.

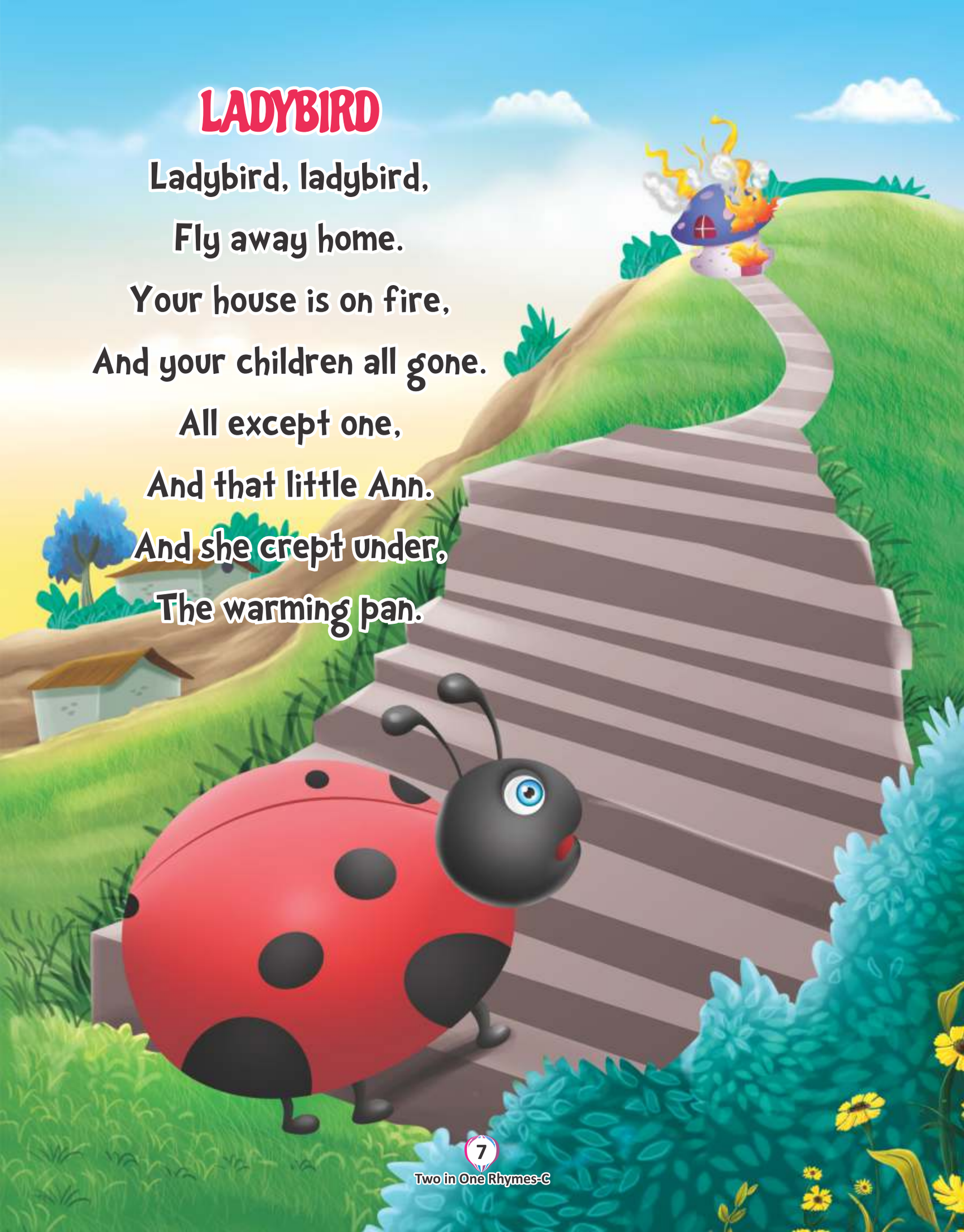

# CHARLEY CHARLEY

Charley Charley,
Stole the barley.
Out of the baker's shop.
The baker came out.
And gave him a clout,
And made poor Charley
Hop, hop, hop.

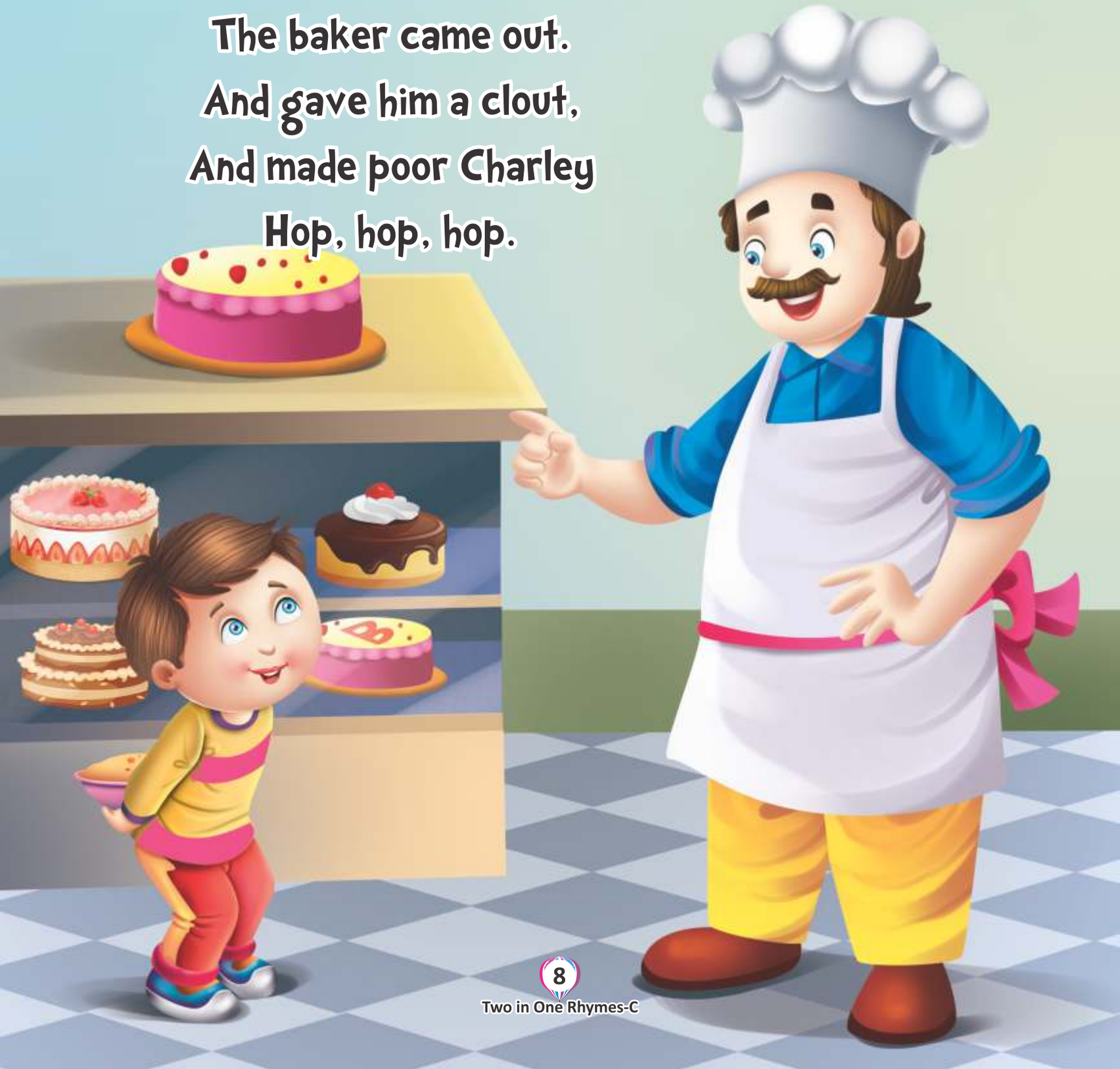

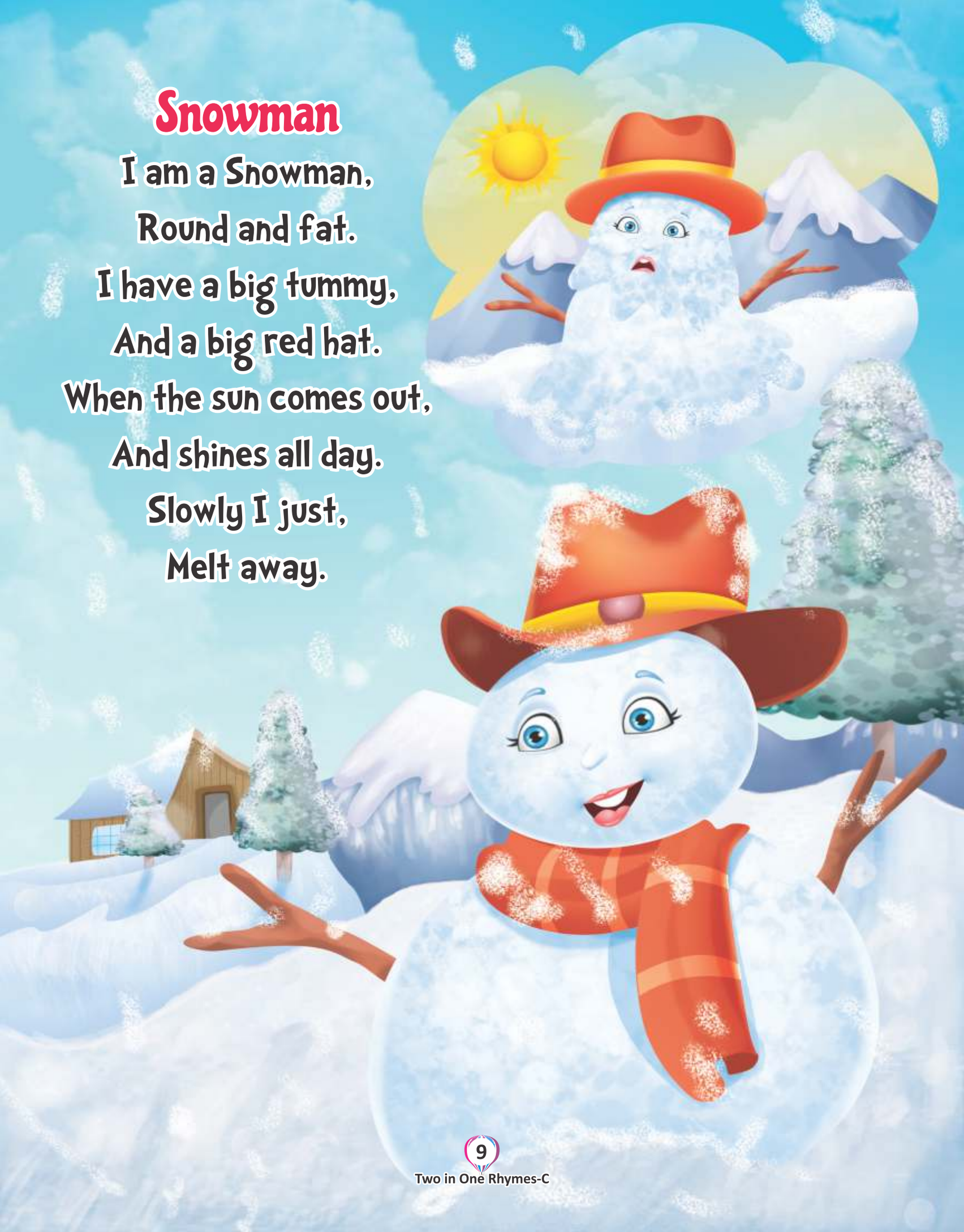

# Snowman

I am a Snowman,
Round and fat.
I have a big tummy,
And a big red hat.
When the sun comes out,
And shines all day.
Slowly I just,
Melt away.

# GOOSEY, GOOSEY, GANDER

Goosey, Goosey, Gander,
Where shall I wander?
Upstairs, downstairs,
In my lady's chamber.
There I met an old man
Who wouldn't say his prayers,
I took him by his left leg,
And threw him down the stairs.

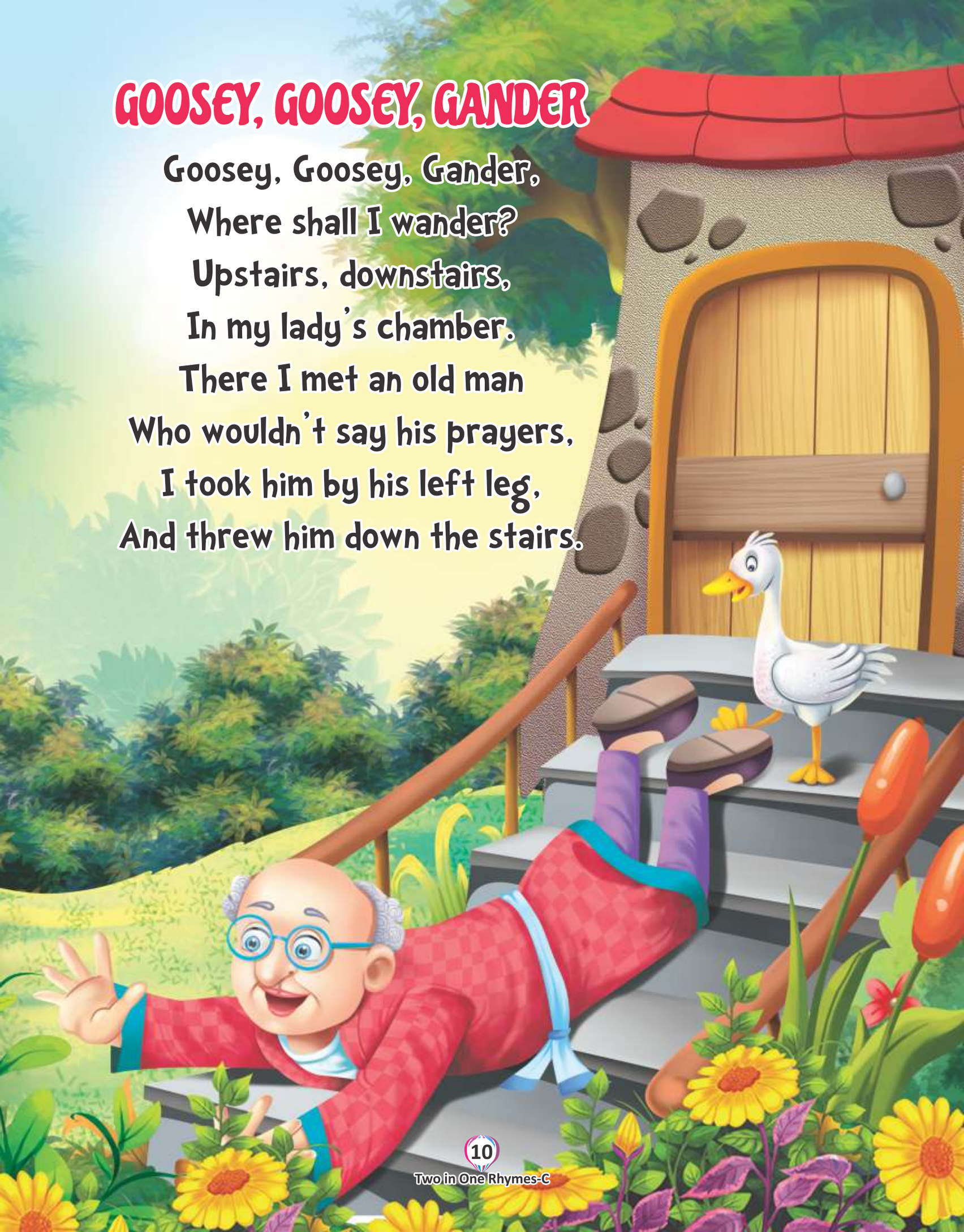

# INCY WINCY SPIDER

Incy wincy spider,
Climbed up the spout;
Down came the rain,
And washed the spider out.
Out came the sunshine,
And dried up all the rain;
Incy wincy spider,
Climbing up again.

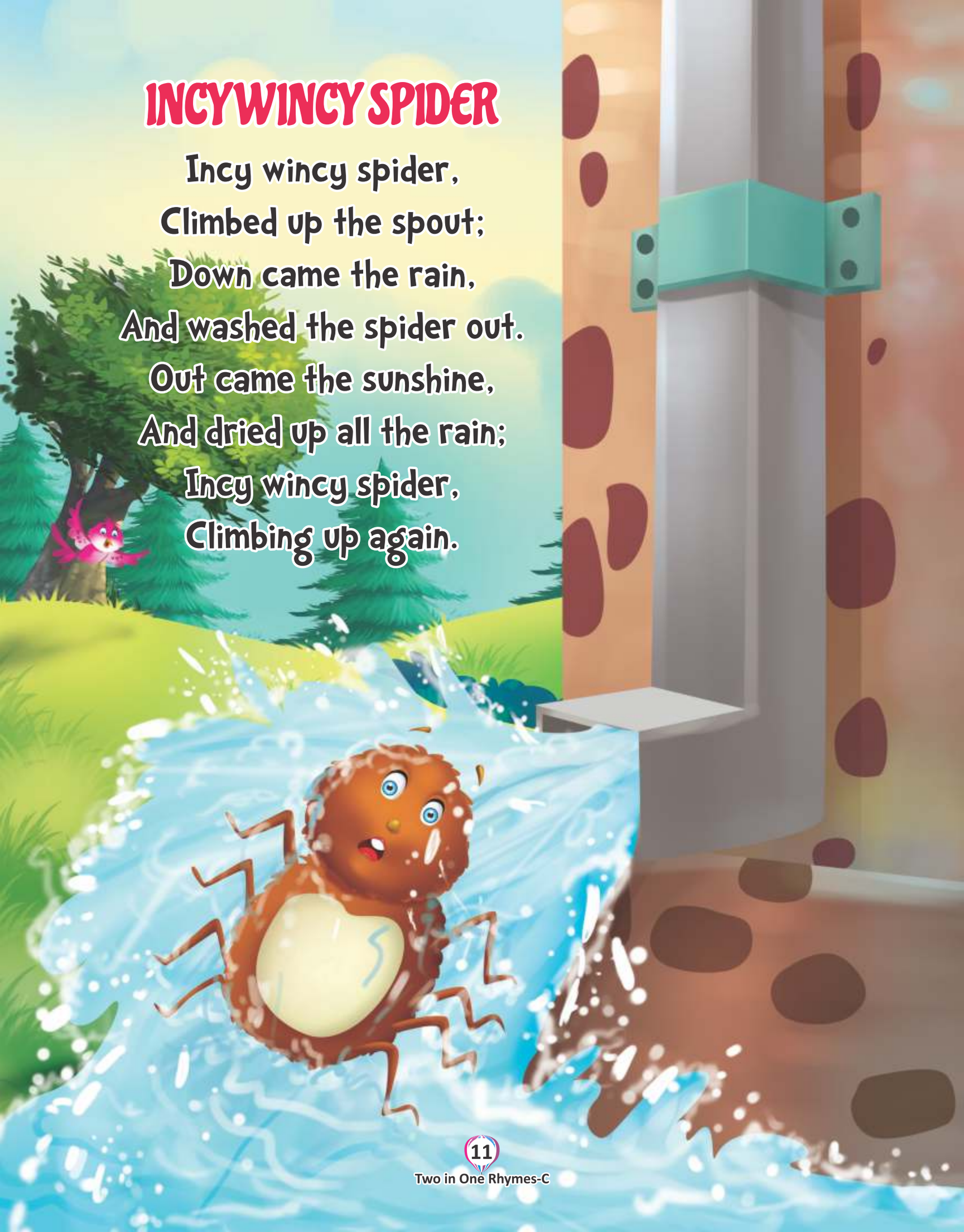

# Two Silly Goats

Once upon a time, there were two silly goats. One day they wanted to cross a narrow bridge together.

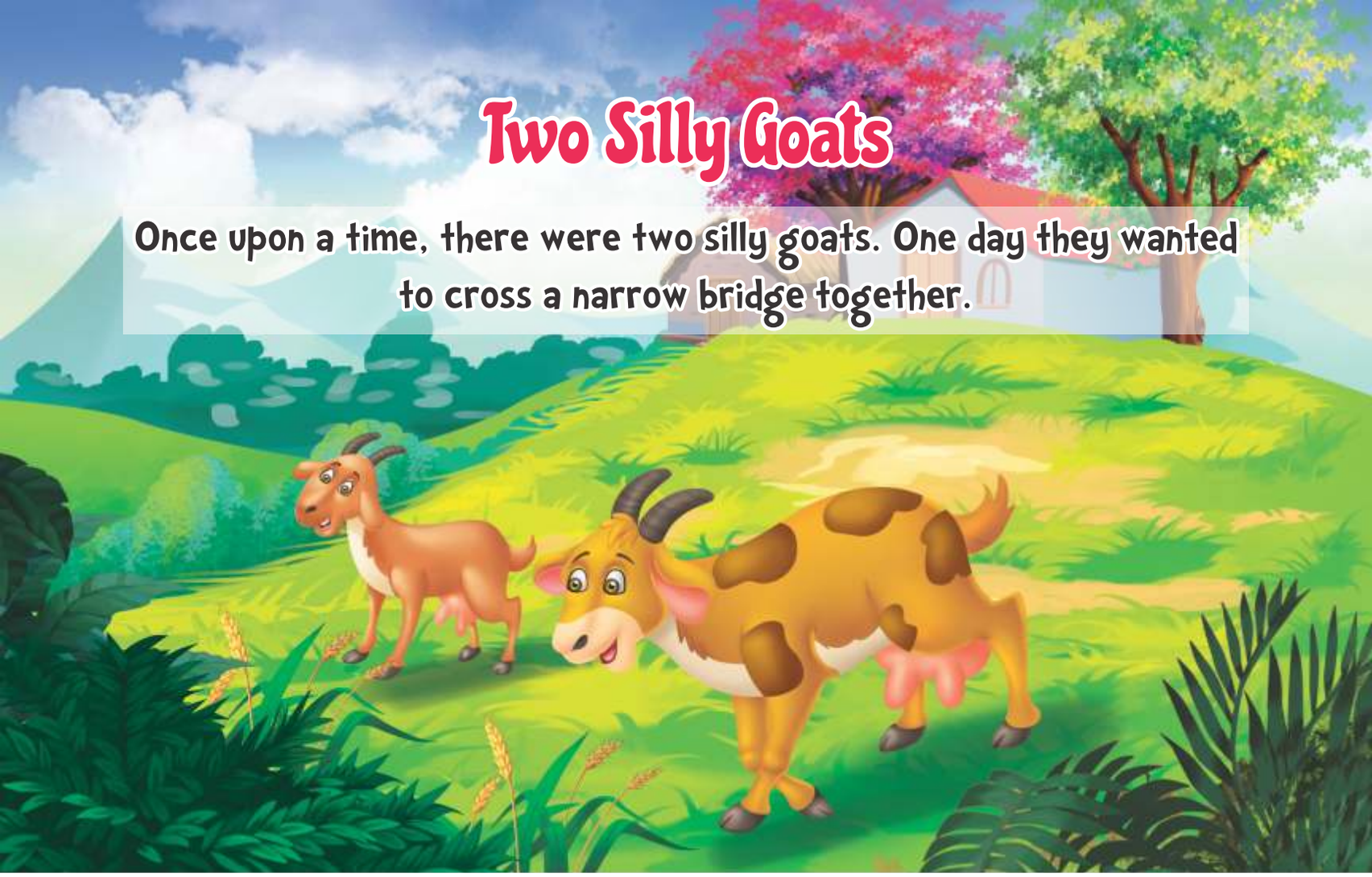

One silly goat was on one side and the other silly goat was on the other side. When they came to the middle of the bridge they began to fight. As they were fighting both fell into the water.

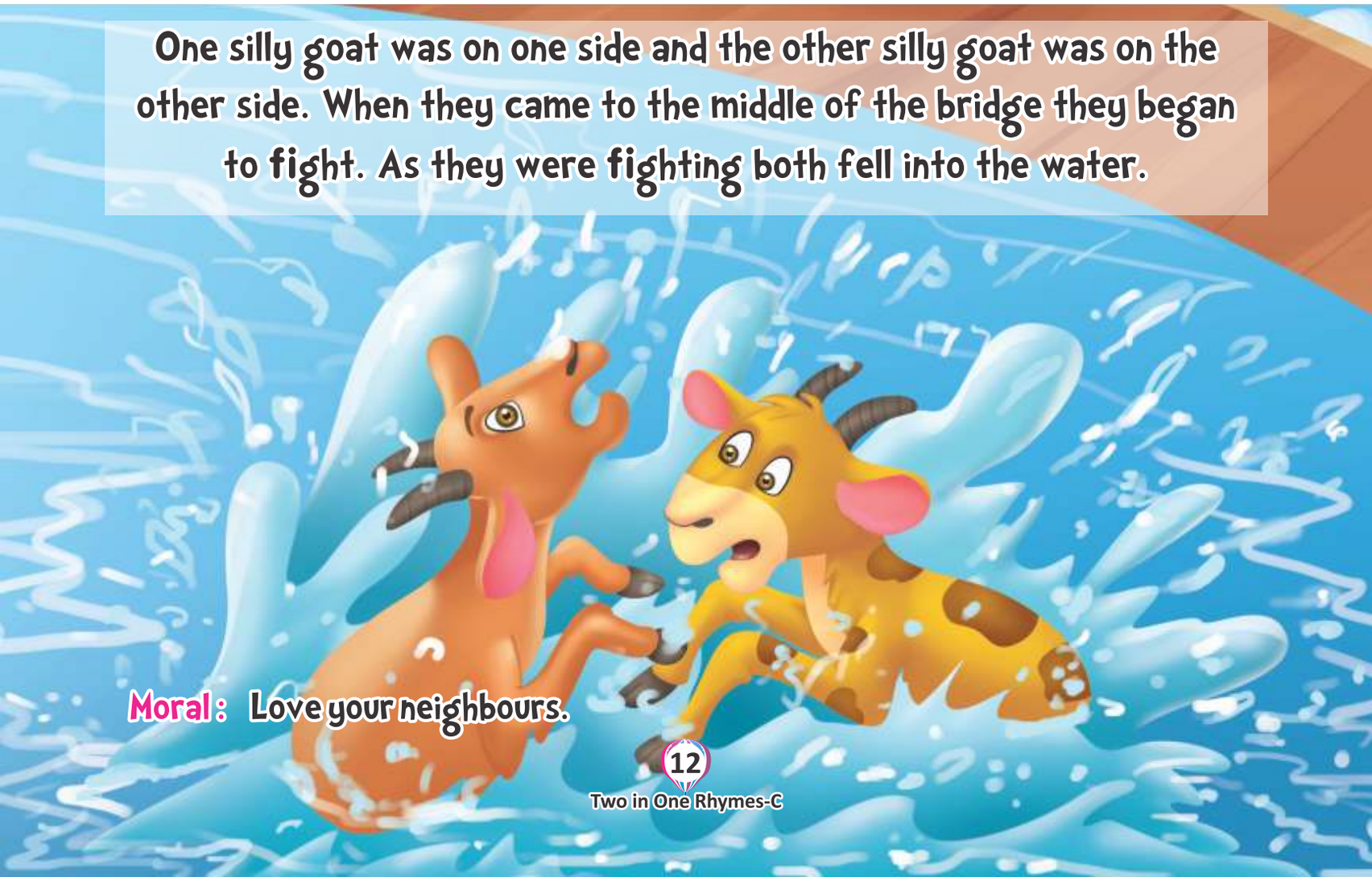

**Moral :** Love your neighbours.

# चंदा मामा

चंदा मामा दूर के,
पुए पकाए बूर के।
आप खाएं थाली में,
मुन्ने को दें प्याली में।
प्याली गई टूट,
मुन्ना गया रूठ।
नई प्याली लाएंगे,
मुन्ने को मनाएंगे।

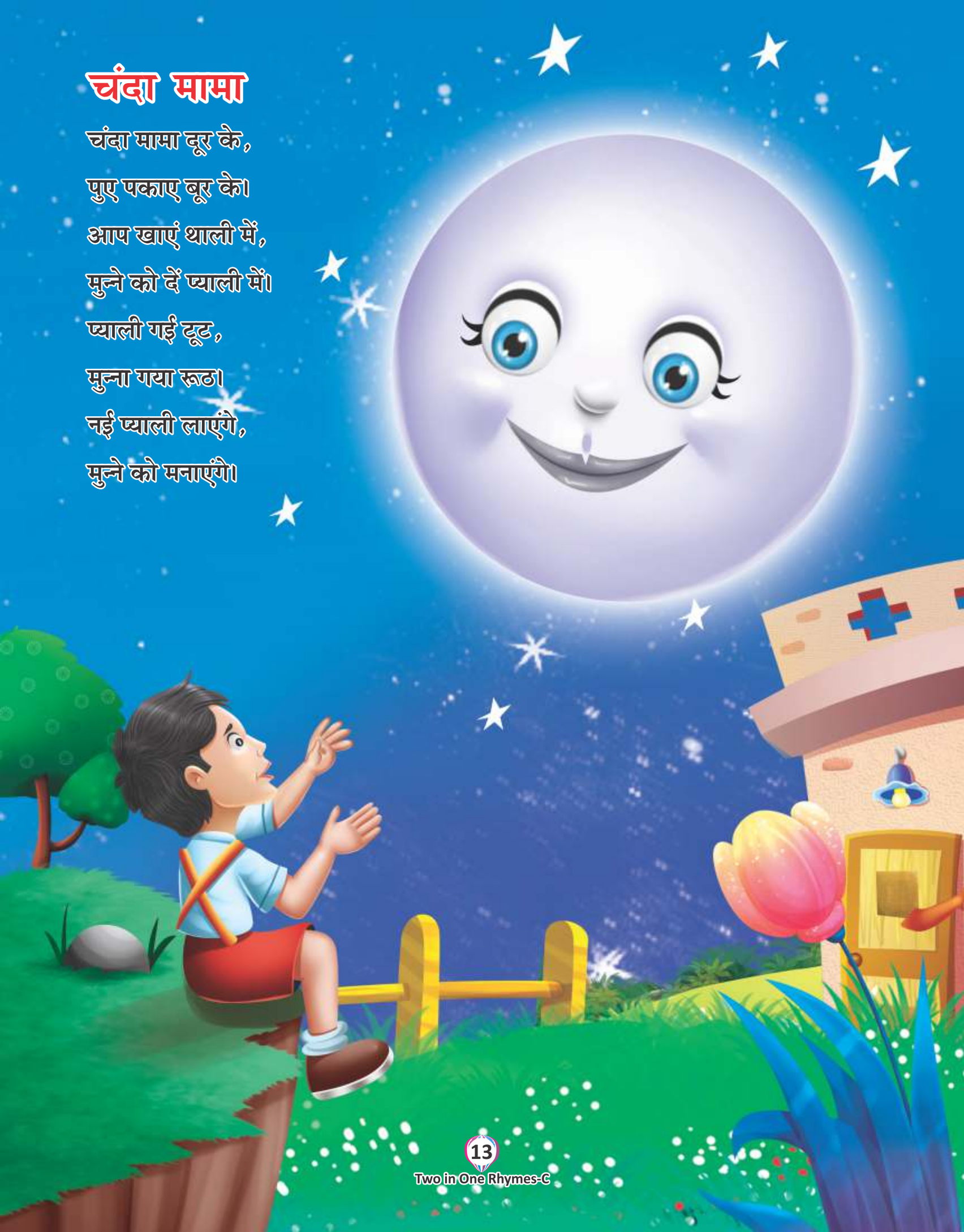

# अपना घर

एक चिड़िया के बच्चे चार,
घर से निकले पंख पसार।
आसमान में उड़ते जाएं,
मन ही मन में वे इतराएं।
घूम-घूमकर जब घर आएं।
मम्मी को ये बात बताएं।
देख लिया है जग सारा,
अपना घर है सबसे प्यारा।

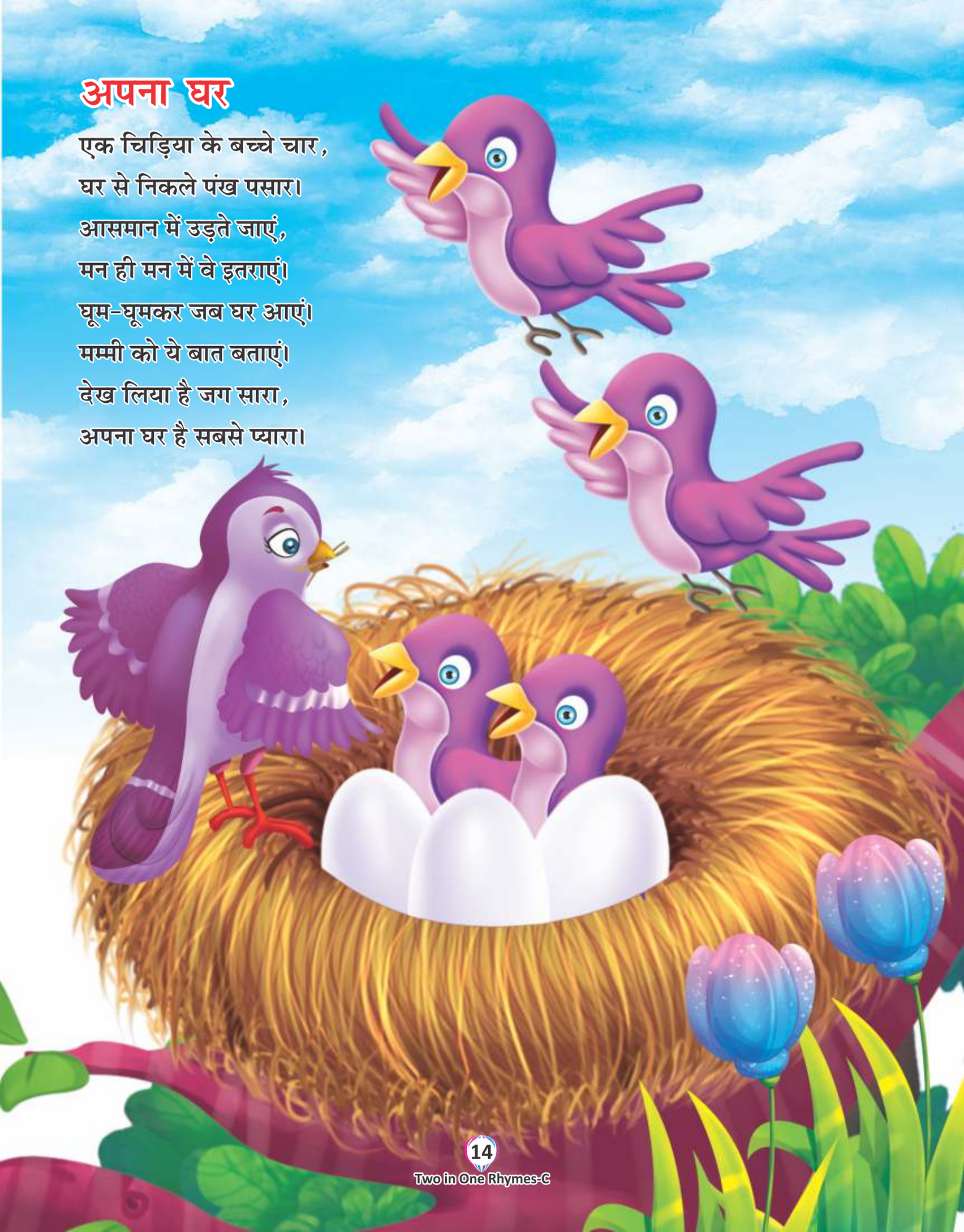

# तोता

मिट्ठू-मिट्ठू गाता तोता,
सबको खूब सुहाता तोता।
इस डाली से उस डाली पर,
बैठा करता है उड़-उड़कर।
आंगन-आंगन चुगता दाने,
नल पर आता बैठ नहाने।
कभी हमारे पास आ जाता,
देख हमें आँखें मटकाता।
पंख भिगो इठलाता तोता,
कहकर कुछ उड़ जाता तोता।

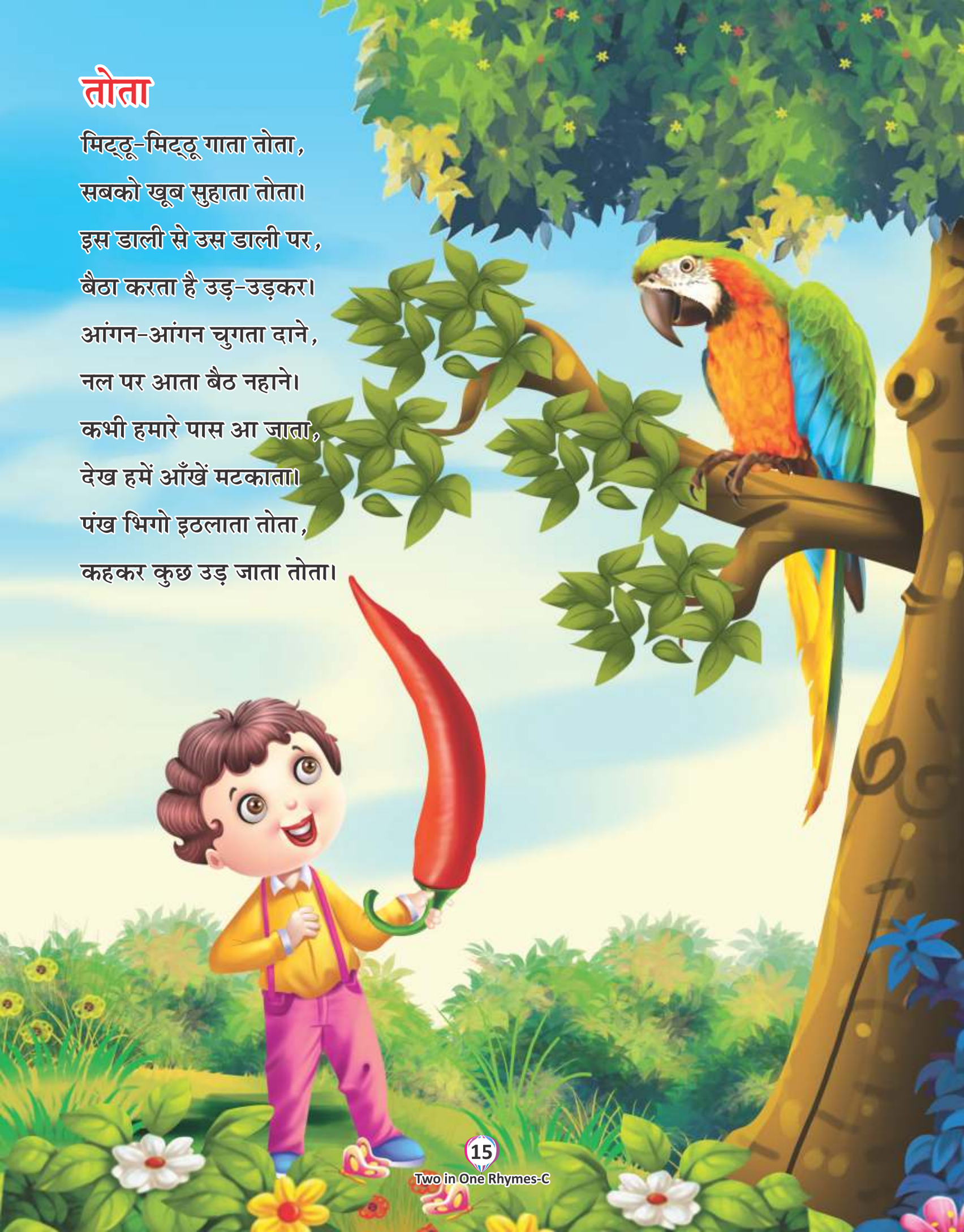

# चिड़िया रानी

चिड़िया रानी चिड़िया रानी,
तुम हो पेड़ों की रानी।
सुबह सवेरे उठ जाती हो,
जाने क्या-क्या गाती हो।
क्या तुम भी पढ़ने जाती हो,
या नौकरी करने को जाती हो।
शाम से पहले आती हो,
भर-भर चोंच खिलाती दाना,
चूँ-चूँ चहक सुनाती गाना।

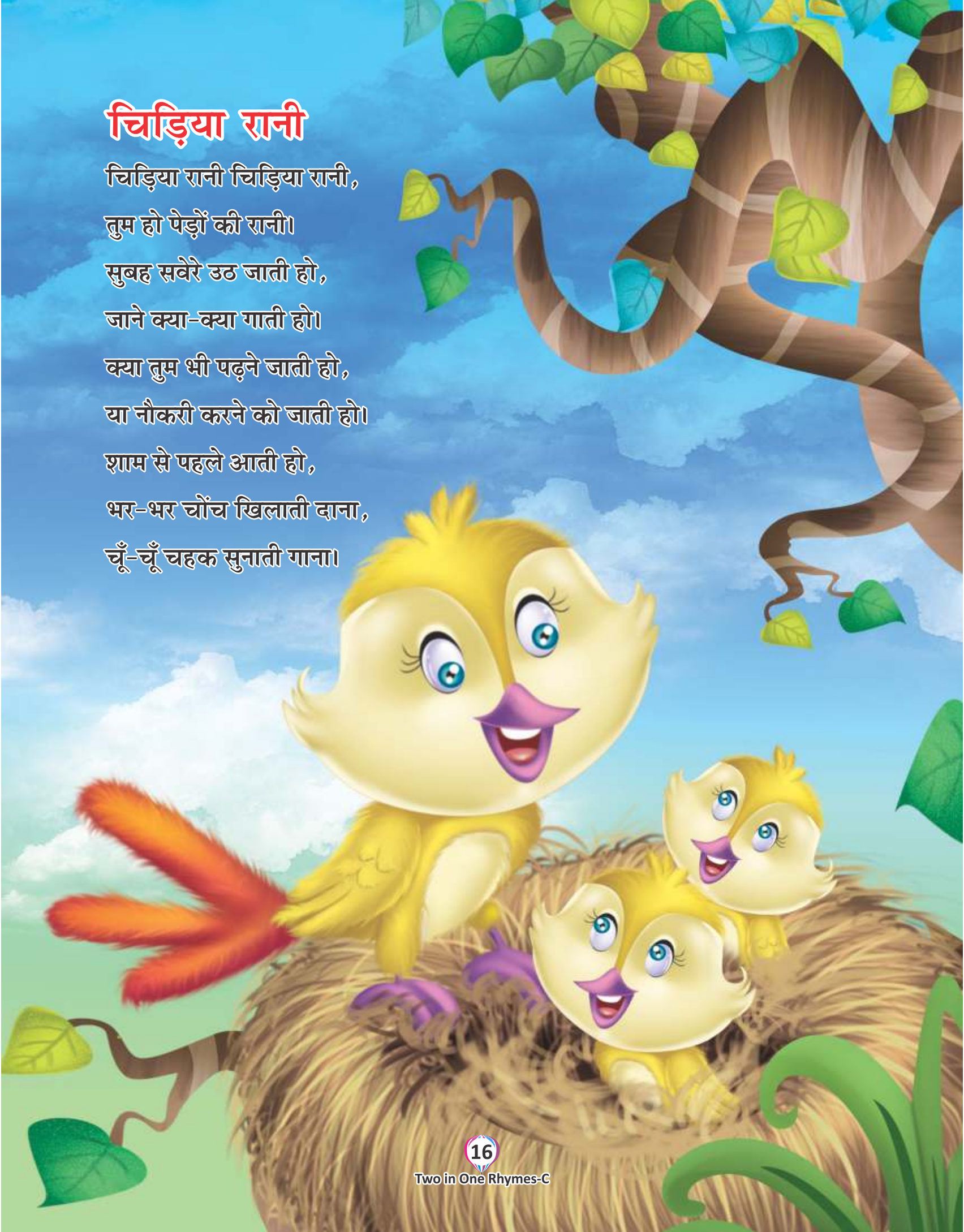

# चुन्नू-मुन्नू

चुन्नू-मुन्नू थे दो भाई,
रसगुल्ले पर हुई लड़ाई।
चुन्नू बोला मैं खाऊंगा,
मुन्नू बोला मैं खाऊंगा।
झगड़ा सुनकर मम्मी आई,
दोनों के दो चपत लगाई।
आधा तू ले चुन्नू बेटा,
आधा तू ले मुन्नू बेटा।
ऐसा झगड़ा कभी न करना,
दोनों मिलकर प्रेम से रहना।

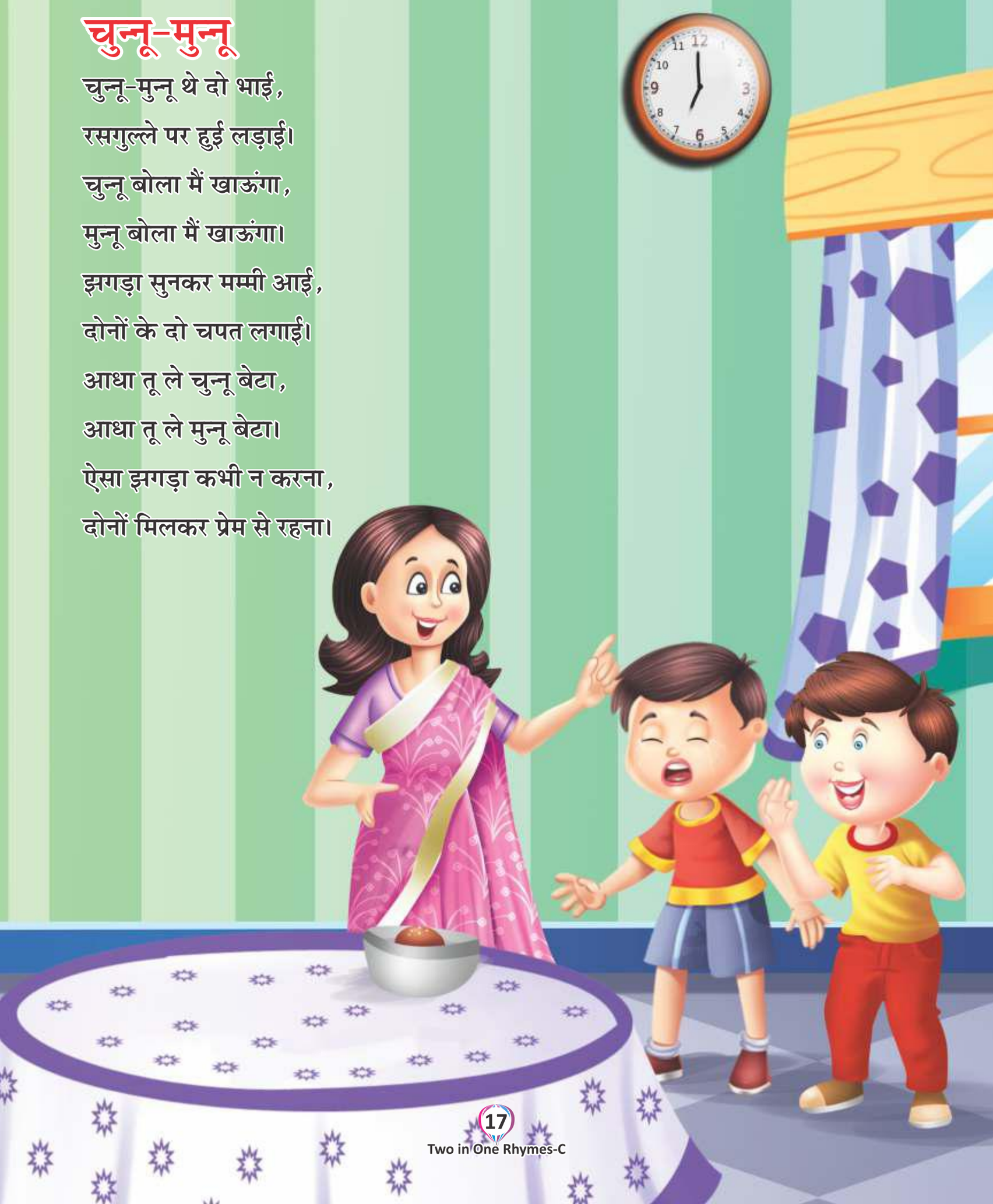

# फूल ही फूल

जब से मैंने फूल लगाए,
हर दिन कोई मिलने आए।
हवा का झूला झूलें फूल,
खुशी-खुशी में फूलें फूल।
भँवरा इन पर आ मंडराए,
मधुमक्खी भी नाच दिखाए।
तितली करती नित ही फेरा,
रहती हरदम डाले डेरा।
चिड़िया चीं-चीं राग सुनाए,
सबके मन को बहुत ही भाए।

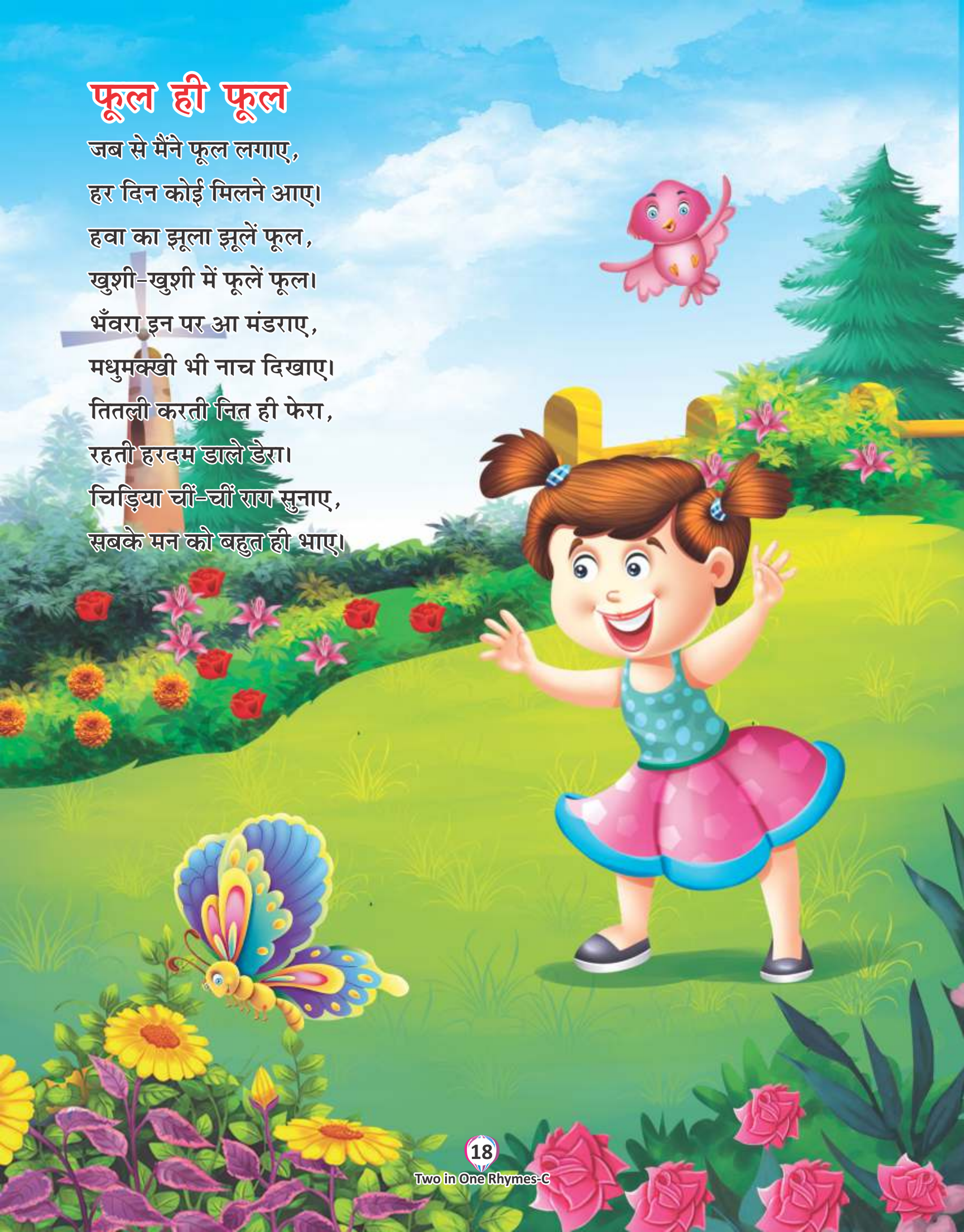

# मोर

रोज सवेरे एक सलोना,
मोर हमारी छत पर आता।
पिहुँ-पिहुँ है रटता रहता,
क्या जाने वह क्या है कहता।
इधर फुदकता, उधर चहकता,
बड़ा है नटखट कभी न थकता।
छोटी-छोटी आँखें उसकी,
रंग-बिरंगे पंख है उसके।
ठुमक-ठुमक कर नाच दिखाता,
सब के मन को खूब लुभाता।

# मेरी माँ

मेरी माँ बहुत प्यारी है,
सारे जग से न्यारी है।
हँसता देख मुझे हँसती,
रोता देख नहीं सकती।
मुझे खिलाकर खाती है,
मुझे बेहद भाती है।
जब बूढ़ी हो जाएगी,
खड़ी नहीं हो पाएगी।
उसका ध्यान रखूंगी मैं,
कष्ट न होने दूंगी मैं।

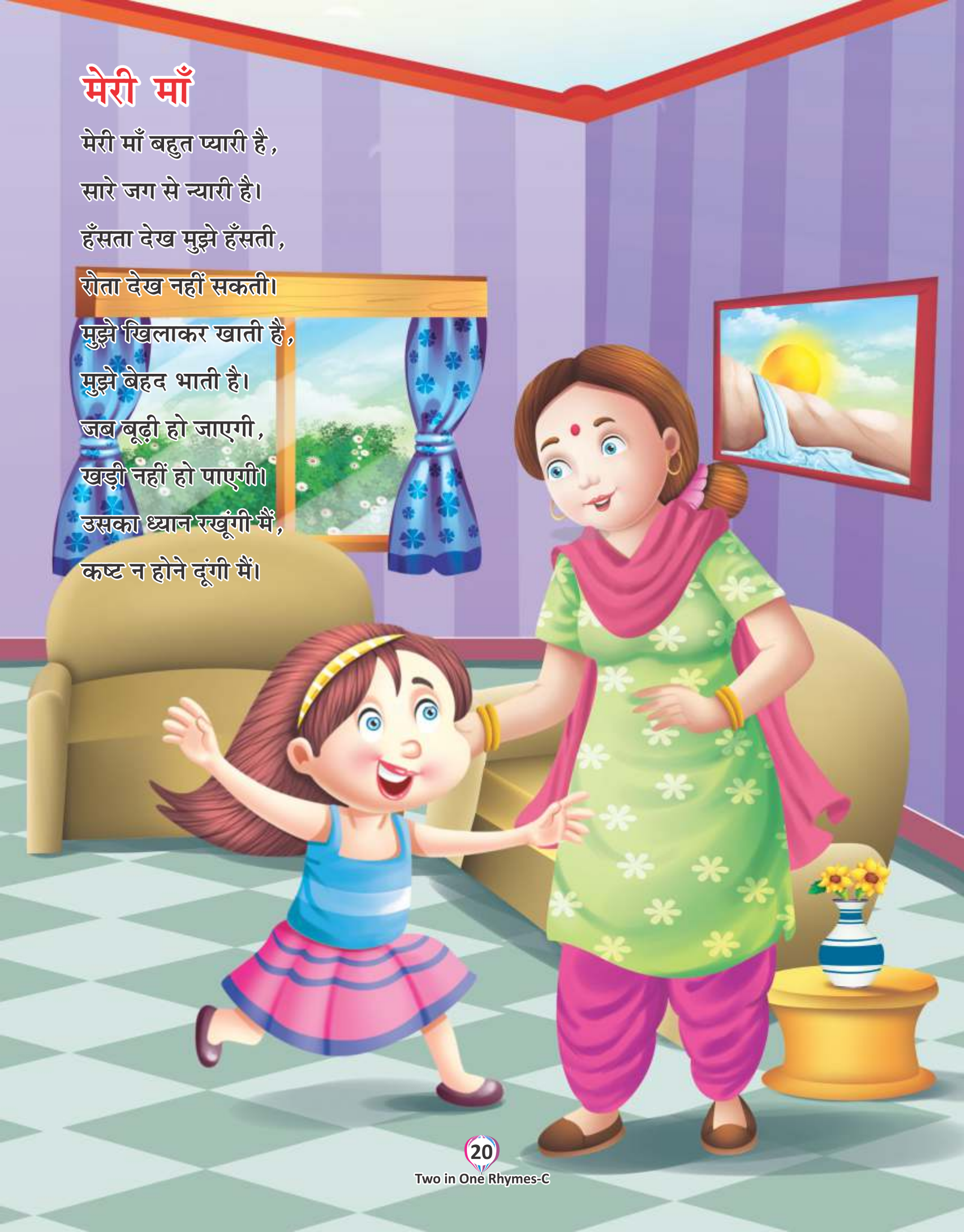

# मेरा घोड़ा

कितना प्यारा सुंदर घोड़ा,
सबको सैर कराता घोड़ा।
तेज हवा के जैसा चलता,
दूरी से ये कभी न डरता।
लगता यह चेतक का साथी,
चने खाकर ताकत आती।
होता है ताकतवर घोड़ा।
खुश है सीख सिखाकर घोड़ा।
पापा जी ने हमें दिया है,
काठी वाला लाकर घोड़ा।

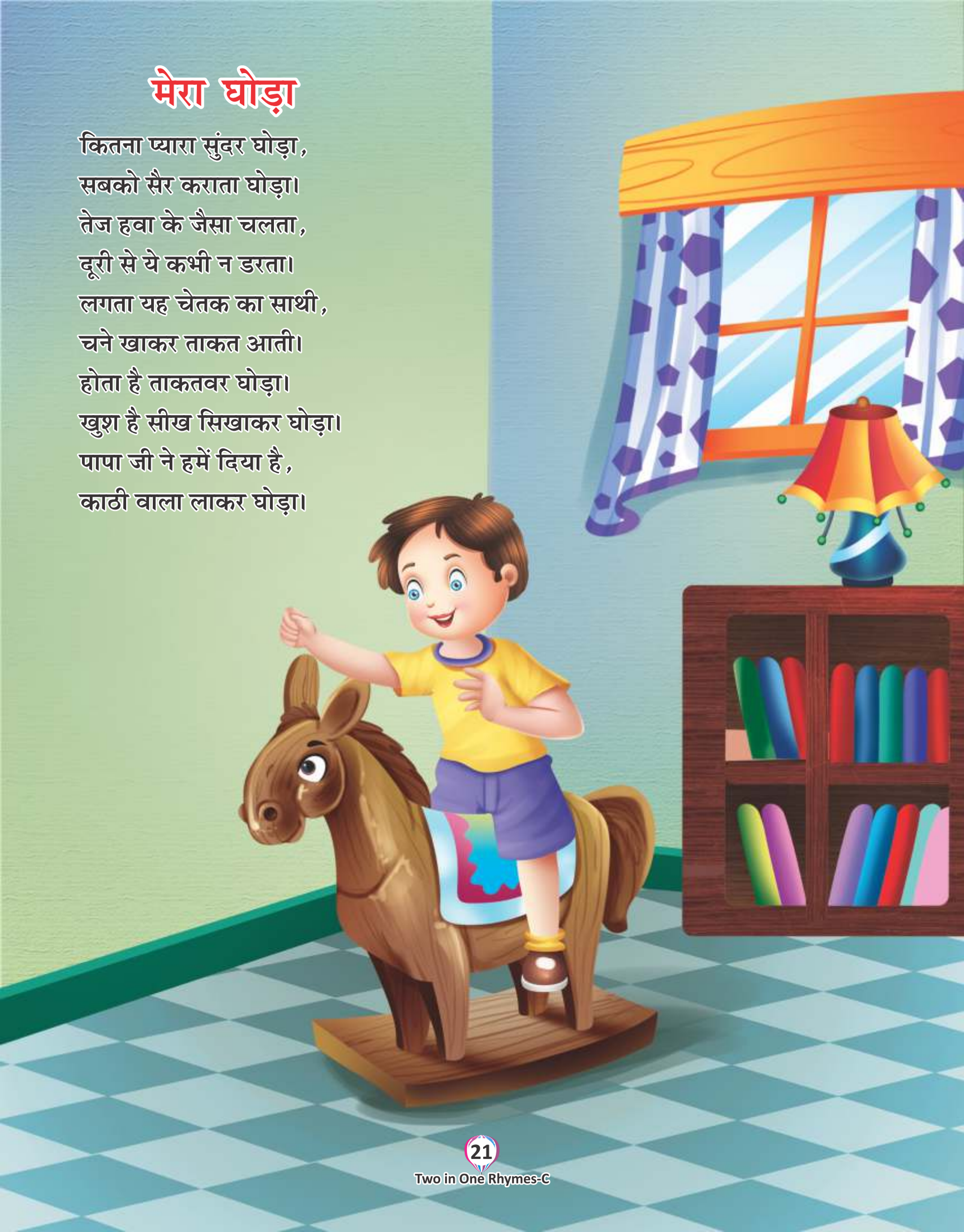

# लाल टमाटर

लाल टमाटर लाल टमाटर,
मैं तो तुमको खाऊँगा।
अभी न खाओ अभी न खाओ,
कुछ दिन में पक जाऊँगा।
बिना खाये तुमको मेरी,
सेहत कैसे बनेगी भोले।
सुन कर सारी ये बातें,
गोभी, मटर और गाजर बोले।
अगर हमें भी खाओगे,
तो खूब बड़े हो जाओगे।

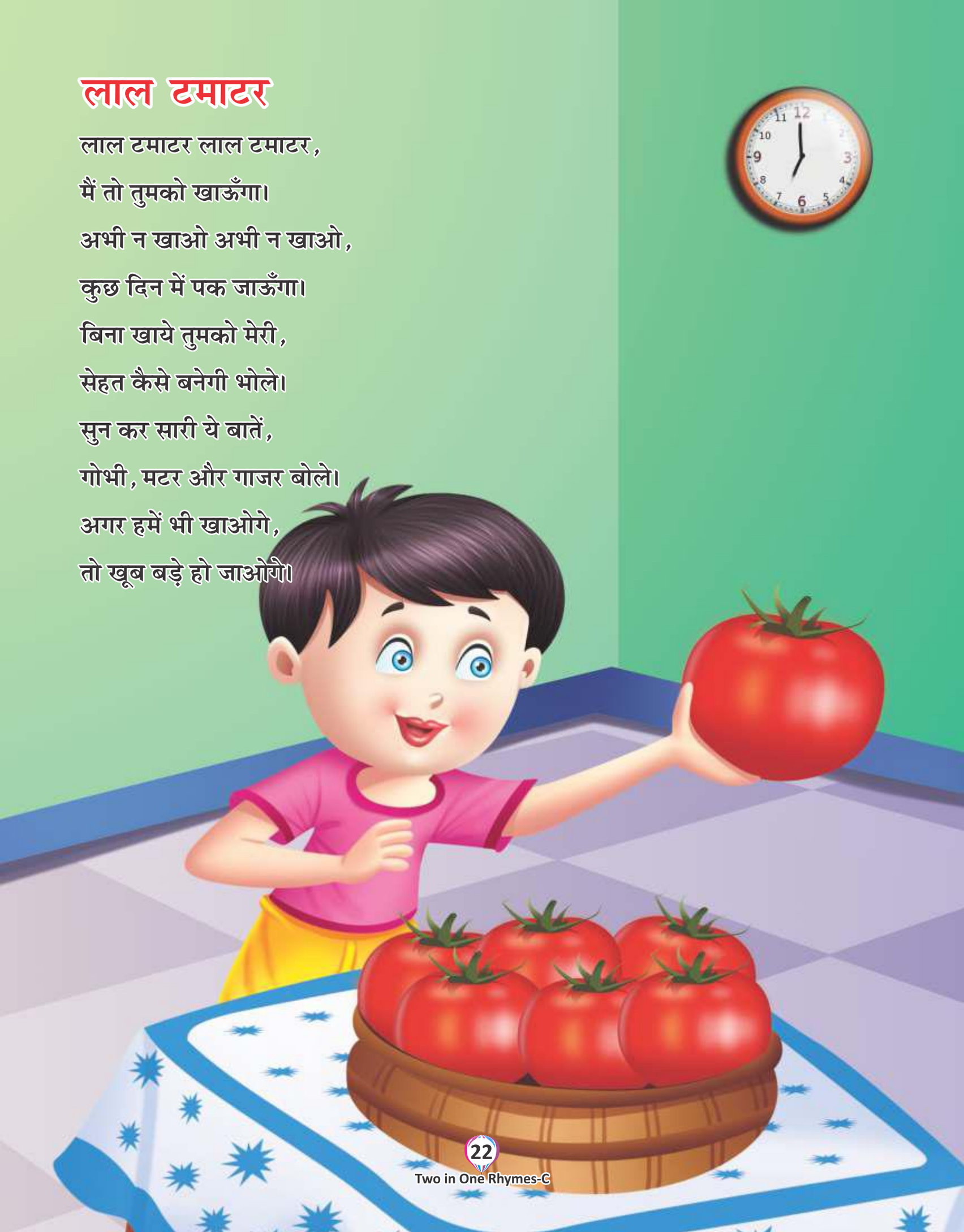

# खेल-खेल में

आओ मिलकर खेलें खेल,
सबसे यारी, सबसे मेल।
एक दूजे का हाथ पकड़कर,
घूमें हम सब जोर लगाकर।
न कोई रूठे, न कोई छूटे,
सबके मुख पर आभा फूटे।
सबको प्यार भरा सम्मान,
यही है एकता की पहचान।
खेल-खेल में काम करें हम,
जग में रोशन नाम करें हम।

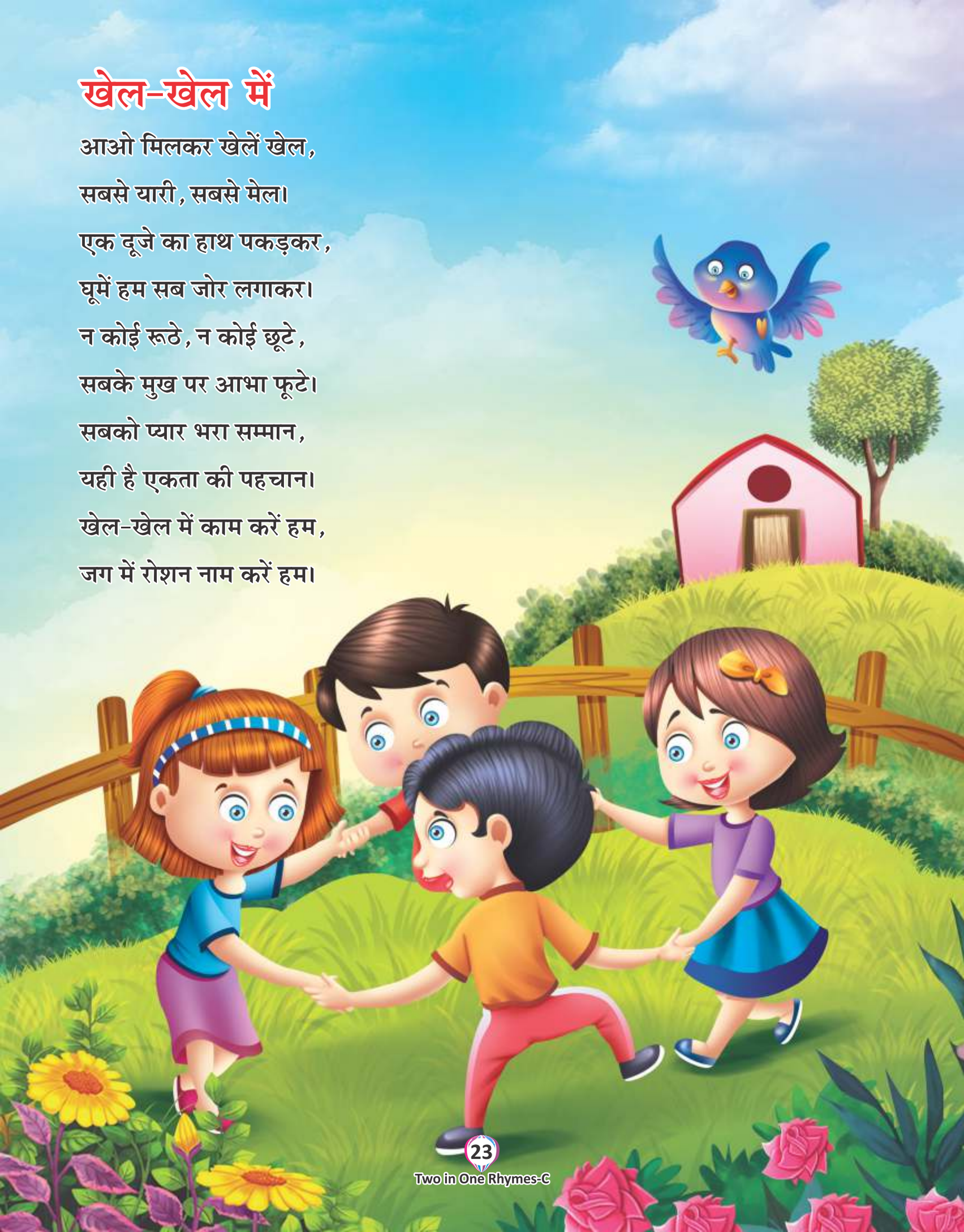

# कौवा और मोर

एक दिन जंगल में बड़ी ज़ोर की वर्षा हुई। वर्षा में जंगल के सभी मोर खूब नाचे, पेड़ पर बैठा एक कौवा उन्हें देखकर सोच रहा था काश! मेरे भी सुंदर-सुंदर पंख होते है, तो मैं भी नाचता, तभी उसकी नज़र ज़मीन पर पड़ी। उसने देखा कि ज़मीन पर मोर के कुछ पंख गिरे हुए है। कौवे ने मोर के पंख उठाये और उन्हें लगाकर मोर के पास जाकर बोला- मैं भी अब मोर बन गया।

एक मोर ने एक पंख और दूसरे मोर ने दूसरा पंख निकाल कर कहा, "
तू कौवा है और कौवा ही रहेगा।
कौवा उदास होकर बोला- काओ-काओ-काओ! मैं कौवा हूँ।
इसलिए कहा गया है कि झूठी खूबसूरती झूठी ही होती है।